प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्व पशुचिकित्सा दिवस कार्यक्रम के रूप में शालीहोत्र जयंती आयोजित विशेष व्याख्यानमाला प्रारम्भ

पंतनगर। २८ अप्रैल, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय में आज विश्व पशुचिकित्सा दिवस के कार्यक्रम के रूप में शालीहोत्र जयंती का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर डा. आई.पी. सिंह व्याख्यान माला को भी प्रारम्भ किया गया। इस व्याख्यान माला का प्रथम व्याख्यान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, के पूर्व उप-महानिदेशक, डा. एम.एल. मदान, द्वारा दिया गया, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की ब्लू क्रास सोसाइटी एवं पशुचिकित्सा सोसाइटी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. एन.एस. मूर्ति द्वारा की गयी।

अपने व्याख्यान में डा. एम.एल. मदान ने डा. आई.पी. सिंह, जो पंतनगर विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता रहे हैं, के व्यक्तित्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने शेरो-शायरी के माध्यम से पशुचिकित्सा व्यवसाय को नयी तरह से परिभाषित करते हुए एक पशुचिकित्सक को हमेशा ज्ञान की चाह रखने तथा नया ज्ञान तलाशने की कोशिश करते रहने तथा जीवन के उतार-चढ़ाव से प्रभावित हुए बिना कार्य करते रहने वाला बताया। डा. मदान ने कहा कि भारत एवं पश्चिमी देशों में पशुचिकित्सा के मानको में बहुत बड़ा फासला है जिसे भरे जाने की आवश्यकता है। उन्होंने पशुचिकित्सा व्यवसाय को पशुओं एवं पशुकल्याण के बीच का सेतु बताया, साथ ही इसे मानव स्वास्थ्य एवं मानव कल्याण से भी जुड़ा हुआ बताया। मुख्य अतिथि ने पशुचिकित्सा व्यवसाय के संसाधनों में पशुचिकित्सक, पशुचिकित्सा विद्यार्थी तथा पशुचिकित्सा के शिक्षकों को स्थान दिया।

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में डा. मूर्ति ने डा. मदान द्वारा दिये गये व्याख्यान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए, उपस्थित पशुचिकित्सकों एवं विद्यार्थियों से इसमें निहित गूढ़ अर्थ को समझने एवं उससे दिशा प्राप्त करने के लिए कहा। उन्होंने पशुचिकित्सा महाविद्यालय द्वारा करायी जाले वाली प्रतियोगिताओं को वृहद स्तर पर किये जाने का भी सुझाव दिया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, डा. जी.के. सिंह, ने सभी अतिथियों एवं वैज्ञानिकों का स्वागत किया तथा विश्व पशुचिकित्सा दिवस को शालीहोत्र जयंती के रूप में मनाये जाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विश्व पशुचिकित्सा दिवस प्रति वर्ष अप्रैल के अंतिम शनिवार को मनाया जाता है, किन्तु चूंकि जयंती प्रति वर्ष एक ही तारीख को मनायी जा सकती है, अतः पिछले वर्ष इस महाविद्यालय द्वारा विश्व पशुचिकित्सा दिवस एवं शालीहोत्र जयंती प्रति वर्ष २८ अप्रैल को मनाये जाने का निर्णय लिया गया था। उन्होंने इस वर्ष डा. आई.पी. सिंह व्याख्यान माला प्रारम्भ किये जाने की जानकारी भी दी। कार्यक्रम के अन्त में पशुचिकित्सा सोसायटी के स्टाफ काउंसलर, डा. संजय कुमार, ने मुख्य अतिथि एवं अन्य सभी उपस्थित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर ब्लू क्रास सोसायटी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही एलेम्बिक फार्मास्यूटिकल (पशुचिकित्सा संभाग) द्वारा महाविद्यालय के वर्ष २०१४-१५ एवं २०१५-१६ के दो-दो सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया, जिनमें नीरज भट्ट एवं ज्योत्षना भट्ट वर्ष २०१४-१५ के लिए तथा सुमित जोशी व सुमैला तस्कीन वर्ष २०१५-१६ के लिए सम्मिलित थे।